Speech of Hon'ble Mr. Justice Vijender Jain, Chief Justice, Punjab and Haryana High Court & Patron-in-Chief, Haryana State Legal Services Authority on the occasion of Seminar on 'Eradication of Female Foeticide' and 'Drug De-addiction' held at M.M.College, Fatehabad on 23.2.2008.

ये सारे सांस्कृतिक कार्यक्रम देखने के बाद मैंने यही कहा था जिंदल साहब से कि जो बच्चा छोटा दो साल का या छः साल का बच्चा जब आपको आकर के बताता है और कहता है कि माँ मुझे क्यों मार रही हो, वो कारण, वो सवाल जो आप सब लोग यहां पर बैठे हैं, उनसे पूछा जाता है। माननीय मुख्यमंत्री साहब ने, जो एक संवेदनशील मुख्यमंत्री हैं, इस समाज की कुरीति से लड़ने के लिए सरकारी तंत्र के अर्न्तगत बहुत सारी स्कीमें नारी के विकास के लिए बनाई हैं, भ्रूण हत्या के उन्मूलन करने के लिए, नशाखोरी के उन्मूलन करने के लिए। क्योंकि जब मैं इनसे पूछता हूँ या देखता हूँ कि एक तरफ तो हरियाणा सारे भारत में नंबर एक का प्रदेश बनता जा रहा है। हरियाणा में रहने वाले नागरिकों की आय सारे भारत में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है और दूसरी तरफ इतना बड़ा घिनौना कार्य कि गर्भ के अन्दर होने वाली बच्ची को मार दिया जाए, ये कैसे चल सकता है और खासतौर से जिस हरियाणा का नाम हरिभूमि है रहने वाले जो धर्मपरायण हैं, जहां सरस्वती की वन्दना होती है, जहां पर दुर्गा की पूजा होती है, माँ लक्ष्मी की पूजा होती है, वहां पर उस प्रदेश में रहने वाले लोग लिंगानुपात के अनुशासन को, उसके अनुपात को कैसे कम कर सकते हैं। जब एक लड़की भारत के केरल प्रदेश में पैदा होती है तो उसके पैदा होने से खुशी मनाते हैं। वहां लोग आन्नद-उल्लास मनाते हैं और यहां लड़की को पैदा ही नहीं होने दिया जाता।

अभी मुख्यमंत्री साहिब ने कहा जो बिल्कुल ठीक है कि हरियाणा में कम से कम एक ऐसा प्रदेश है जहां पर एक डाक्टर की conviction हुई है। क्या कारण है कि मैं Chief Justice होते हुए और मेरे और जज साहिबान हम आपके बीच में यहां पर आए। अगर कानून में इतनी सक्षमता होती तो शायद हम आपके बीच में नहीं आते। कानून को चाहिए सबूत और यह ऐसा एक घिनौना कार्य है कि इसका कोई सबूत कैसे मिले? जो माँ अपने भ्रूण की हत्या करवा रही है वह गवाही देने नहीं आती। जो बाप है वह खुद उसके अन्दर मिला हुआ है। परिवार वाले चाहते हैं कि लड़की पैदा न हो। डाक्टर, नर्स, उन्होंने पैसा ले लिया है भ्रूण को गिराने का। कौन गवाही देगा? और गवाही नहीं होगी तो जज साहिब उसको सजा भी नहीं दे सकते। इसलिए हमने यह तय किया कि जहां पर एक तरफ कानून को सख्ती के साथ लागू करवाना चाहिए वहां पर जो समाज के अन्दर शैतानी सोच है कि लड़की का जन्म होना एक अभिशाप है उस शैतानी सोच के विरुद्ध एक संघर्ष करना चाहिए। उसके लिए जन आन्दोलन चलाना चाहिए। उसी जन आन्दोलन के लिए हम यहां के लोग इसमें आहुति डालें इस बात का हमें आह्वान करना चाहिए। क्योंकि यह जो बुराई है पांच साल की, दस साल की, पचास साल की, सौ साल की नहीं है। इस बुराई का जन्म हमारी सांमतवादी प्रथा और सोच के साथ है। सैंकड़ों साल से यह बुराई हमारे जीवन के अन्दर पंजाब, हरियाणा, राजस्थान के अन्दर चली आ रही है। जब तक हम लोग अपनी सोच को नहीं बदलेंगे तब तक इस बुराई से नहीं लड़ सकते।

तीन कारण तो मुख्यमंत्री जी ने बताए थे जिसकी बजह से भ्रूण हत्या होती है। उसके अलावा जो मैं सबसे बड़ा कारण समझता हूँ, हमने बहुत सारी योजनाएं नारी सशक्तिकरण के लिए बनाई हैं परन्तु नारी

सशक्तिकरण पूरा नहीं हो सकता जब तक कि नारी को इस दुनिया में आने का मौका नहीं मिल पाता। इसलिए जरूरी है कि नारी सशक्तिकरण अगर करना है तो girl child को इस दुनिया में आने का मौलिक संवैधानिक अधिकार मिलना चाहिए और उसके लिए जरूरी है कि जो कारण समाज में नारी के अस्तित्व को नीचा करते हैं उसके साथ हमें संघर्षरत रहना है। उसका कारण है दहेज प्रथा। दहेज एक ऐसा कारण है जिसकी बजह से माँ-बाप सोचते हैं कि अगर लड़की पैदा होगी, मेरे पास दहेज नहीं होगा तो मैं क्या करूँगा। दूसरा कारण है समाज के अन्दर नारी का उचित स्थान न होना। माँ जानती है कि लड़की को अगर घर पर छोड़ूंगी तो उसकी security की problem है। इसलिए माँ चाहती है कि जब यह बड़ी होगी तो इसे दुनिया भर में ताने मिलेंगे। तो क्यों न इसे मैं भ्रूण के अन्दर इसकी हत्या करवा दूँ। जब तक सारा समाज इस समस्या के प्रति संवेदनशील नहीं होगा हम भ्रूण हत्या को नहीं रोक पायेंगे। इसलिए जितने भी लोग यहां पर बैठे हैं मैं उनको आह्वान करता हूँ कि वे इस संघर्ष के अन्दर एक स्वयंसेवक की तरह काम करें चाहे वे नन्हें-मुन्ने बच्चे हैं, विद्यार्थी हैं और चाहे वे हमारे बुजुर्ग, भाई और बहन यहां पर बैठे हैं। किसी को यह नहीं सोचना कि हम लोग शायद इस काम के अन्दर अकेले हैं क्योंकि लड़की नहीं लड़का चाहिए। बहुत सारे यहां पर जो मंच को चला रहे थे उन्होंने एक कविता कही तो मुझे भी एक कविता की याद आ गई कि जहां पर लोग कहते हैं कि शायद हम इस काम में अकेले हैं।

राह मुश्किल, तू अकेला,
दूर मंजिल, क्या हुआ,
राह चूमेगी चरण,
अभियान करना चाहिए,

देख कर संघर्ष जो पीछे हटे, घबरा गए,

ऐसी जवानी को कहीं जा डूब मरना चाहिए।

तमाम नौजवानों को आज मैं यह आह्वान करता हूँ कि भ्रूण हत्या के विरूद्ध इस अभियान में पूरी शक्ति के साथ कार्यरत हों। एक तरफ लड़की को हम मार रहे हैं और दूसरी तरफ नशाखोरी की तरफ जा रहे हैं। न लड़की होगी, मलंग समाज होगा और जहां लड़का होगा वह नशाखोरी में डूब जायेगा। कहां से वीर हरियाणा का आयेगा, कहां से सैनिक आयेगा, कहां से उद्यमी आयेगा, कहां से इंजीनियर आयेगा, क्या होगा इस हरियाणा का?

यहां आप ने इतना बड़ा आयोजन किया मुझे उम्मीद है कि आने वाले महीनों के अन्दर, वर्षों के अन्दर फतेहाबाद जिला सारे हिन्दोस्तान के अन्दर एक ऐसी अपनी अहम छाप छोड़ेगा जहां पर लिंगानुपात सिर्फ एक गांव के अन्दर ही नहीं बल्कि सारे फतेहाबाद के अन्दर, सारे हिन्दोस्तान में लड़कियों की सबसे ज्यादा संख्या करेगा और नशामुक्ति से भी मुक्त होगा।

धन्यवाद।